सिविल सर्वेंट न्यू इंडिया बनाने के लिए रीढ की हड्डी हैं-राज्यपाल 15.10.2017

चण्डीगढ 15 अक्तूबर सिविल सर्वेंट न्यू इंडिया बनाने के लिए रीढ की हड्डी हैं। हमने 2022 तक नए भारत का जो संकल्प लिया है उसको पूरा करने में सिविल सर्वेंट्स ने सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। यही नहीं 2047 में जब हम आजादी की स्वर्ण जयंती मना रहे होंगे तो सर्वश्रेष्ठ भारत का सपना साकार करने का भार भी सिविल सर्वेंटस के कंधों पर है। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने राजभवन में संकल्प संस्था द्वारा आयोजित दीपावली मंगल मिलन समारोह में बोलते हुए व्यक्त किए। संकल्प संस्था भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के लिए तैयारी करने वाले प्रतिभागियों की मदद व मार्गदर्शन करती है। समारोह में संकल्प की मदद से सफल हुए अनेक अधिकारी, चण्डीगढ, संकल्प में भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कर रहे 30 प्रतिभागी, उनके परिजन आदि उपस्थित थे। राज्यपाल ने आगे कहा कि संकल्प वह संस्था है जो भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कर रहे प्रतिभागियों को वैसा आचरण व व्यवहार सिखाती है जैसा न्यू इंडिया बनाने के लिए चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में टु गवर्न का अर्थ टु सर्व होता है जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी शपथ ग्रहण करते ही कहा था कि मैं भारत का प्रधानमंत्री नहीं, प्रधान सेवक हूं। जब यही भाव सबके मन में आ जाएगा तो सबका दृष्टिकोण ही बदल जाएगा और यही दृष्टि न्यू इंडिया बनाने के लिए चाहिए।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय का उदाहरण देते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमें उनके जैसे देश सेवक चाहिएं। उन्होंने साक्षात्कार के समय भारतीय वेशभूषा धारण कर आई0ए0एस0 में सफलता पाई थी, लेकिन फिर भी समाजसेवा का मार्ग चुनकर पूरा जीवन देश को अर्पित कर दिया। राज्यपाल ने समाज सेवा को जीवन अर्पित करने के लिए ब्रह्मऋर्षि बावरा जी मिशन, पिंजौर की महामंत्री डाॅ0 मनीषा दीदी और लाइफलान संस्था से त्रिलोकीनाथ सिंगला को ऋर्षि सम्मान से विभूषित किया। उन्होंने संकल्प का सहयोग करने वाले दानवीरों को भी भामाशाह सम्मान से विभूषित किया। इसके अलावा संकल्प के सहयोग से चयनित अधिकारियों को भी सम्मानित किया।

इससे पहले हरियाणा के मुख्य सचिव डी0एस0 ढेसी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अधिकारियों में ज्ञान के साथ भावना और दृढसंकल्प का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों में प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से निरंतर सम्पर्क बनाकर यही संदेश दिया है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा देशभर के आई0ए0एस0 अधिकारियों से जितना सम्पर्क रखा वैसा पहले कभी नहीं हुआ।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के कुलपति प्रो0 कुलदीप अग्निहोत्री ने कहा कि सिविल सर्विस के लोग ज्यादा ज्ञानवान न हों तो काम चल जाएगा लेकिन उन्हें ज्यादा संवेदनशील होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञान जब संवेनशीलता पर भारी हो जाए तो वह पत्थर हो जाता है, ऐसा ज्ञान विकास नहीं कर सकता। इसलिए सिविल सर्विस के अधिकारियों को लोगों के कष्टों व समस्याओं के प्रति अधिक संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिविल सर्विसेज को स्थायी सरकार माना जाता है, इसलिए विकास में इनकी भूमिका व जिम्मेदारी भी सर्वाधिक है।

समारोह में सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल बी0एस0 जसवाल ने संकल्प संस्था का परिचय दिया। संकल्प के केन्द्रीय उपाध्यक्ष डाॅ0 संतोष अत्रेजा ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डाॅ0 अमित कुमार अग्रवाल, संकल्प चण्डीगढ से डाॅ0 ए0के0 सहजपाल, चरणजीत राय आदि उपस्थित थे।

(मेधावी विद्यार्थियों में प्रतिभा एवं सामाजिक
संकल्प
Arise, Awake, Stop not Until Your Goal is Achieved.

Excellence
(मेधावी विद्यार्थियों में प्रतिभा
Arise, Awake, Stop not Until Your Goal is Achieved.

Excellence
(मेधावी विद्यार्थियों में
एवं सामाजिक
विकसित
लिए समर्पित प्रकल्प)
Stop not
Until
Your Goal is
Achieved.

Excellence
(मेधावी विद्यार्थियों में प्रतिभा एवं सामाजिक
Arise, Awake,
Stop not
Until
Your Goal is
Achieved.

विद्यार्थियों में प्रतिभा एवं सामाजिक
2017
Arise, Awake,
Stop not
Until
Your Goal is
Achieved.

विश्वसनीयता
Integrity
Compassion
Excellence
संकल्प